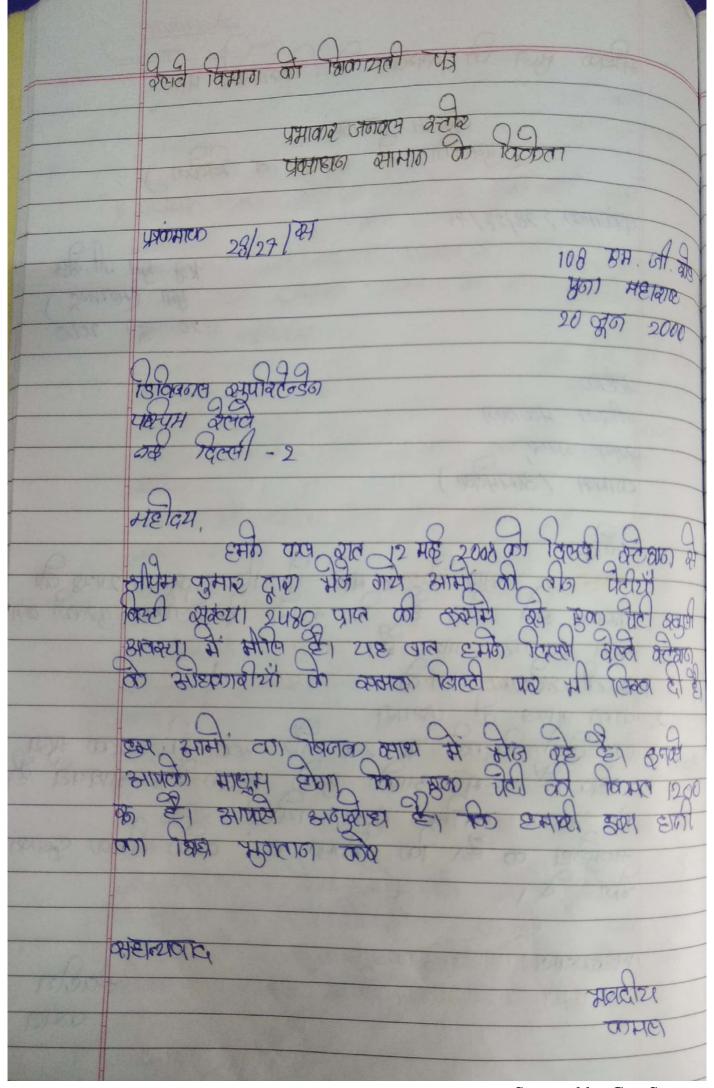


Scanned by CamScanner

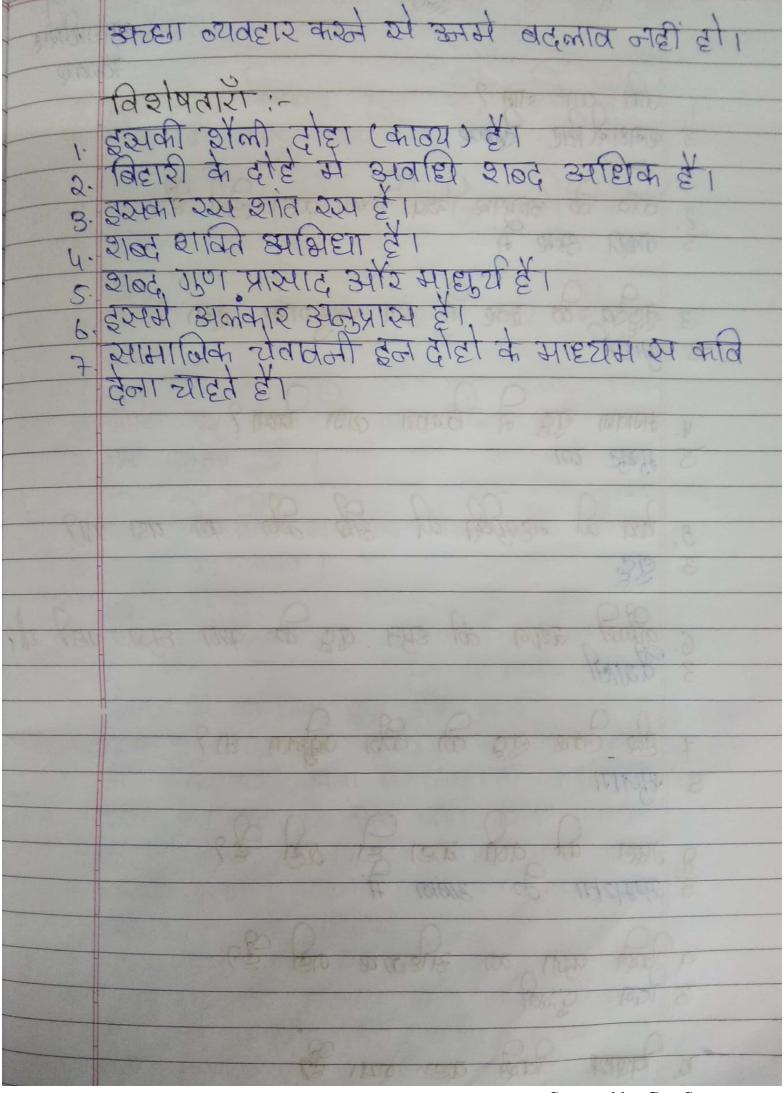


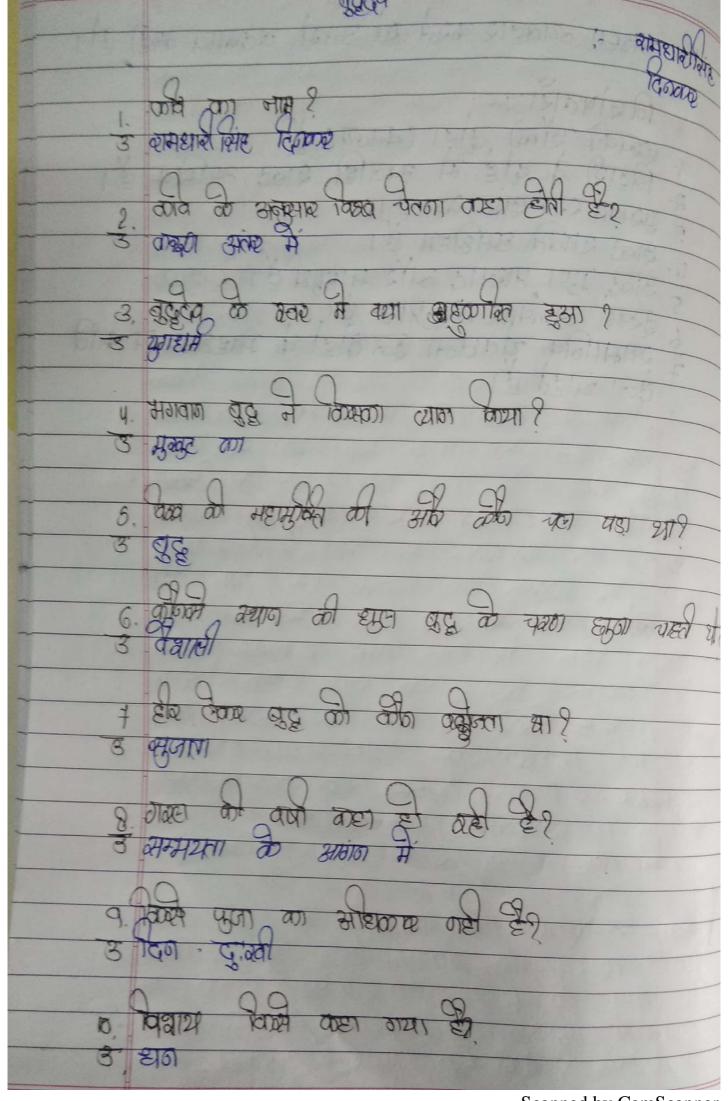
Scanned by CamScanner

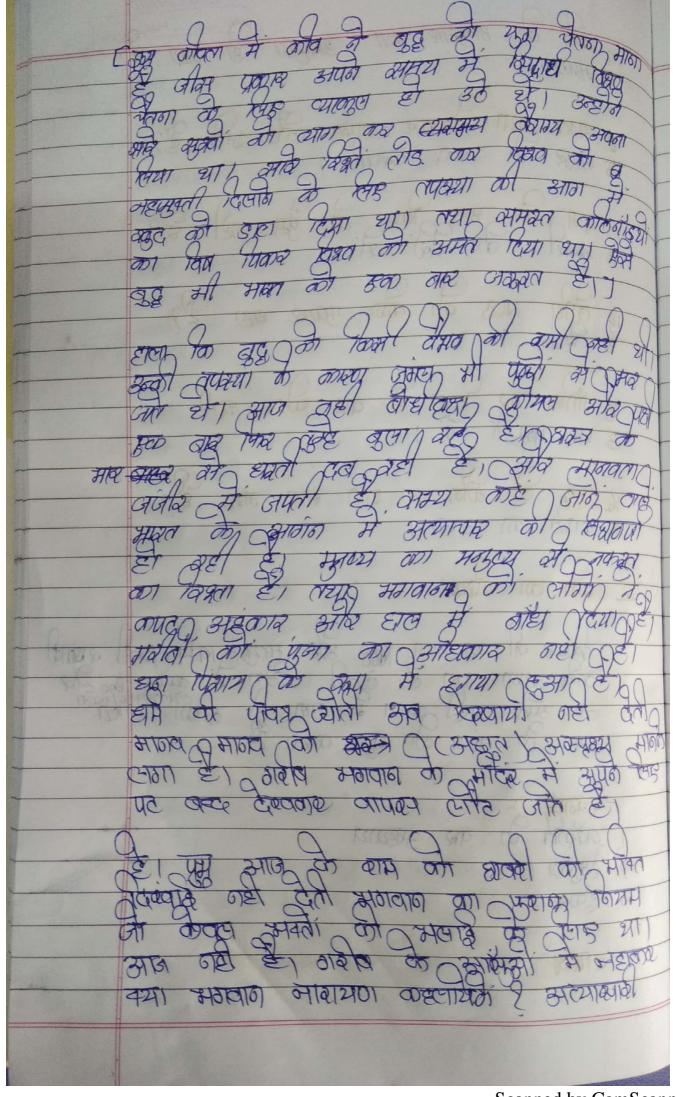
TOER OF GIE Date राक वाक्य को उत्तर दो:-ा. कित ? बिहारी व. प्याच्ने की प्याच्न बद्धाने वाला विक्रके अमान है? 3. बिटारी के अनुसार कैसे चिल की गति कोई वदी समर्गया उ अनुशामी त बापु के अभिजार काण हा। में दैंबकर भाष क्रा यानी के अन्याई देपा है डे
प्रमार के कियाई देपा है डे भावाल केर्वा 6. किसके बिना बडा बनना संभव नहीं है? न विभये गहना बनाया नहीं जा सकता? र्मिश) मिलि 8. मिनके कारण बंदावल में प्रयाग अल ग्राह्म हु ड

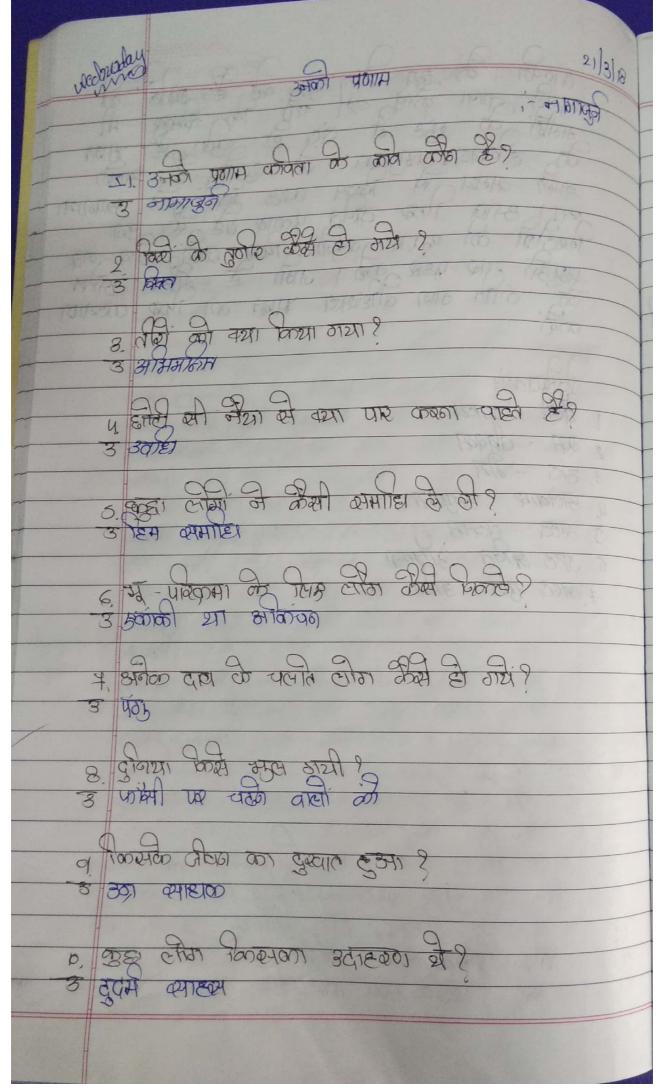
Accurate रचनाराँ!-। विद्यारी स्पत्यई केवल राक ही रयना है जिसमें २०२ दोहां को रचना ग्रास है। नः।हाराष्ट्र बिदारीजी कहते है कि जिस प्रकार प्यास नगाने पर जिञ्चका पानी मिल जारा उद्यकी महिमा आगर के अमान होती है। पिर चाहे वह पानी बहुत बड़ी नदी का ही य बहुत गहरे करा का या किर वावडी का। पाणाए भे इबे हुरा मन की रिशेति कोई नहीं समन् सकता "रों या राम जोपी दूसरी जोपी रचे कह रही हैं। क्यों के काले की के स्थान के अने से नक्तरा भी काली हो जाती है परंतु श्याम को प्रेम में दूबकर ह्माश मन काला नहीं बल्की दिन प्रतिदिन उजवल होता आ रहा है। यामि हम हर दिन पवित्र होते जा रहे है। राक गोपी दुश्री से कहती है कि अन सहिक मार्थ ही हिला है से बार है है। अवभूत अनुभव मिलता है। कि भने ही वे हमारे मन में रहते हो परंत, अनमा प्रतिबिंब पूरे रंग्यार मे रिश्वाई देता हैं। बिहारीजी कहते हैं कि बिना गुणों के इनर्गान कही है। असे धातरे को कनका कह देने ये वह स्थीना नहीं बन सकता अर्थर मा ही उठारी ग्रहते बनारा जा अवात है। क्ष्रे बुद्वावन में गोपियों का मानना है कि भावल कृष्ण, राधिका तथा बृह्यावन की गार्थियां की यसका अगतर्थ में सम्प्रकार राक विशेष्ठ संगाम मना वेती है। जब भी वे खेलते

हरा रास्तां से गुजरते हे तो अवहात गत बन जाता है। इसकिया अन पापी की नात करने के किए लिया प्रया जीना नही है स्था कि इन्वयं भगवान अर्थ हमें भोक्ष देन के लिए यहां भी जूट इंडवड क्य विक्याप करप है कि है प्रभ आपने कई पापी की है इंगिलिए, मुख्ने भी मुक्ति प्रधान कर है आगर में के बहान, में है। उठना राहते अपने ही भवती में बाँधकर २रिवेरा अंगार आव अमेरे अ अग्रि तर अला है तो कैवले राक्ष हो अपाय है (भगवमा) के जीम की बेना उनकी अपकी माला ही हमारी परावार हो वसत रित के बारे हरा अर्ष द् कि तथंगड़े भाजामं म बाद भी वकाय का अगामन हाया है। क्या कि अगत्र हुरा किमा निया पत्ते, पूर्व अगेर फेल मही वालि कहते हैं कि कोई भी वस्तु अगेर इस्राम खेवर अगेर बदस्रारत मही क्यां के अभग अभग पर लगा की द्वारी बदेन जाती है तथा अलग अलग लोग राक जैया प्रयद नहीं रखते इंसिल्स जिसकी रुपी जैसी ार्थ स्मार नेत की पार्व पा परवत के अपर भी लगा दिया जारा तेन भी ज्ञ रेवालन केवारण पानी मीच

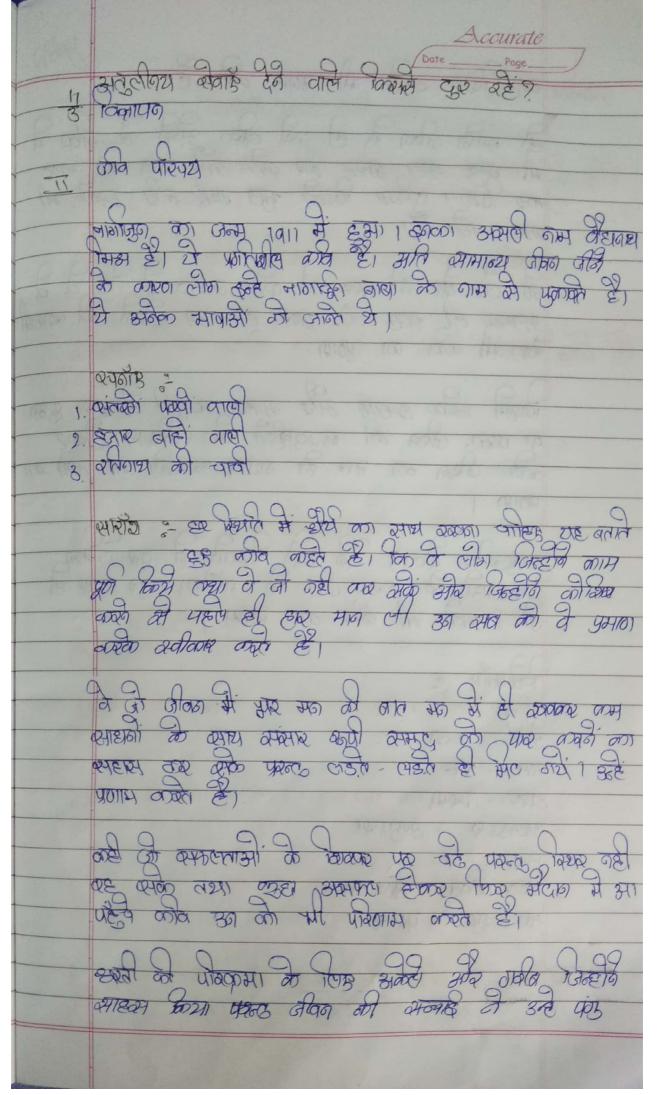


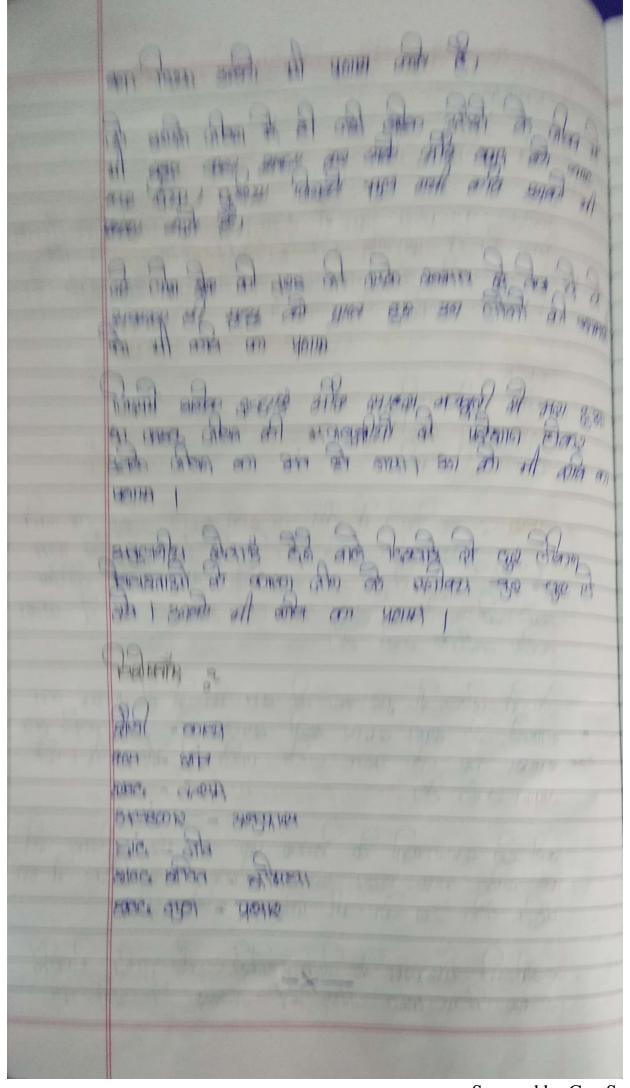






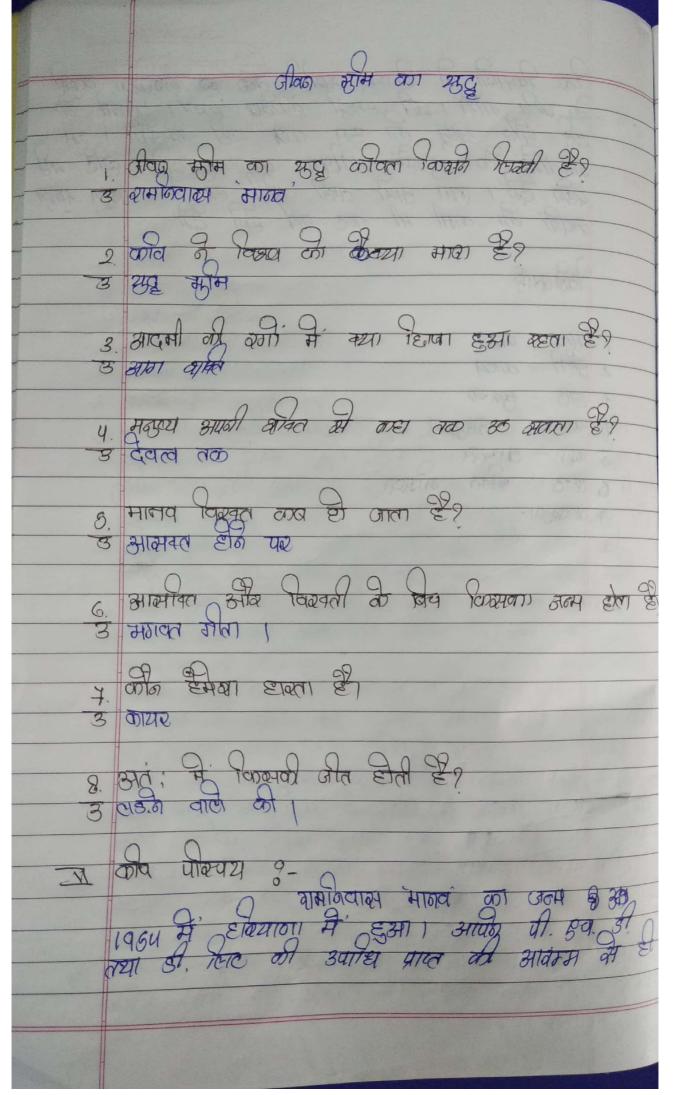
Scanned by CamScanner

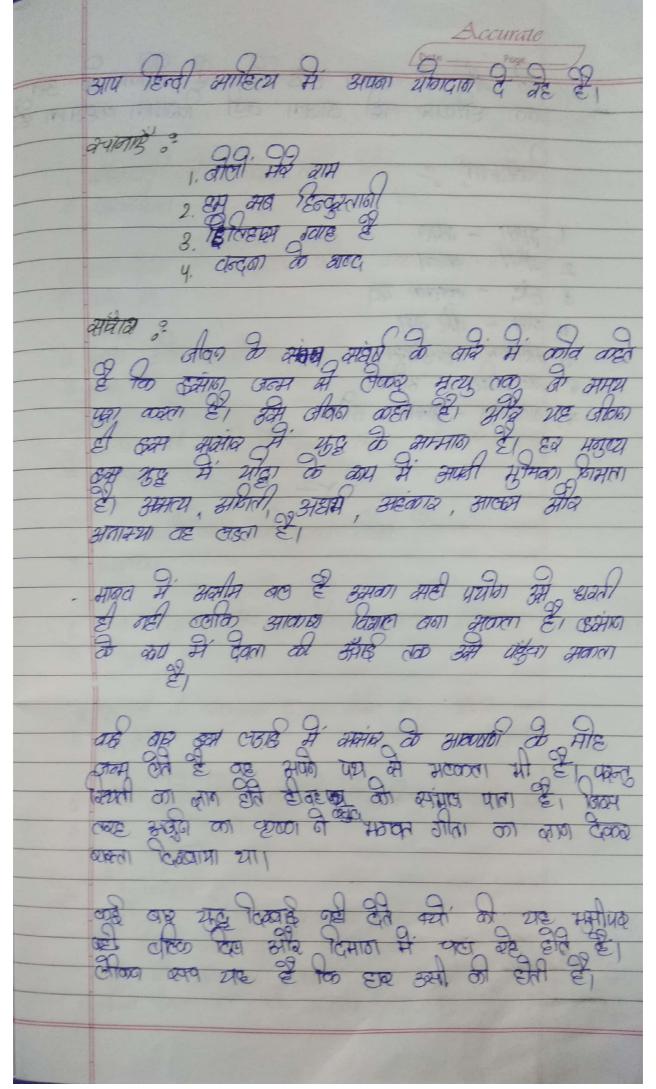




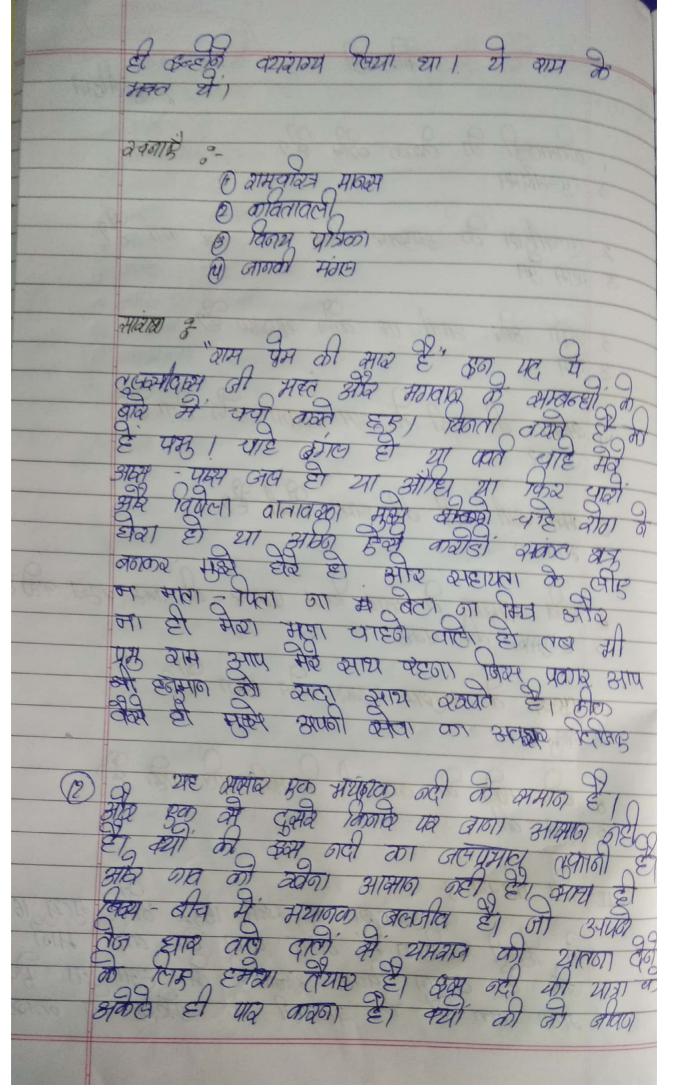
Scanned by CamScanner

ीवजिंद्या निष्कि नहीं देते । विवासियां रिगवरी नहीं देंगें बारिता के नित कीन दीन उ महन्द्र भटनागर 2. जाव के अनुसार जीनमा छांडा नामी नहीं खुरीका ने किर्माय की अगर्वम वर्ग मावतीय जिल्लाम वर्वन उ इल्सामिश्ता प कार्य के अनुसार पाप वया है? उ किसी की ब्यवाना हु माबतियु की पाक्ष कीनमा भर्ते 3 Report 18th DRIVE 6. शायली अरिश मिरती की विकास की वापायी ? इ प्रारं पाती भी। न की अनुसार किसी की होंगी व्यक्ती है? हिर्ति निकास पर गर्ही पड़की ड ह्ब्सी पर 1 किस पर विजीवारी वही किसी देशे 10, विकारिया नहीं मिलते देन किला कोन वर काम्यसंकरण

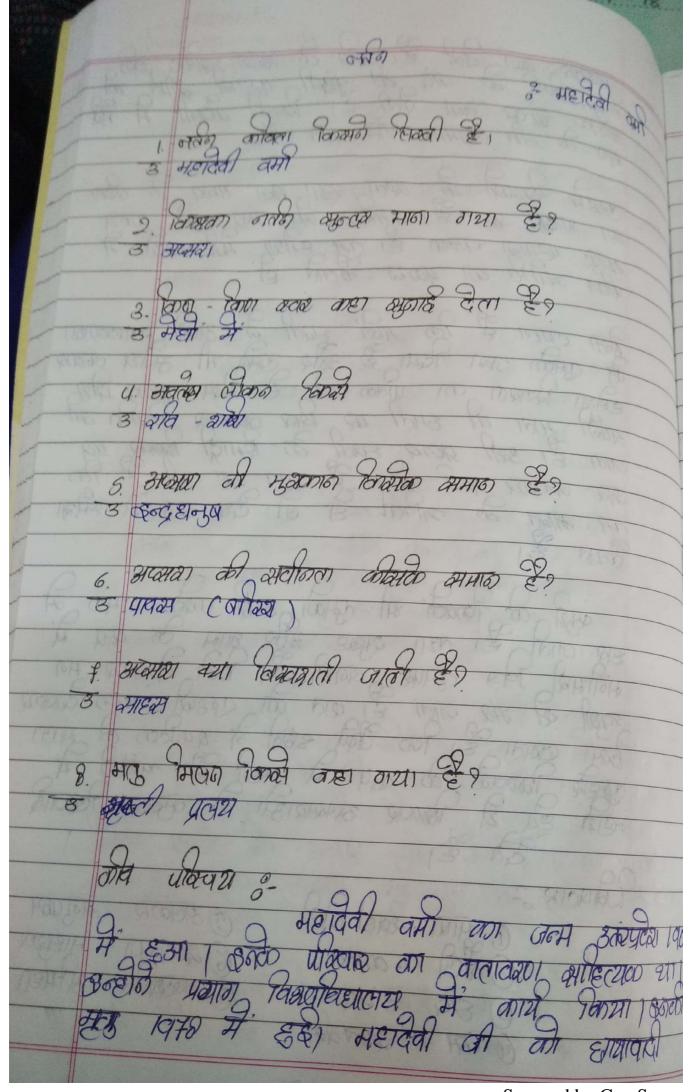


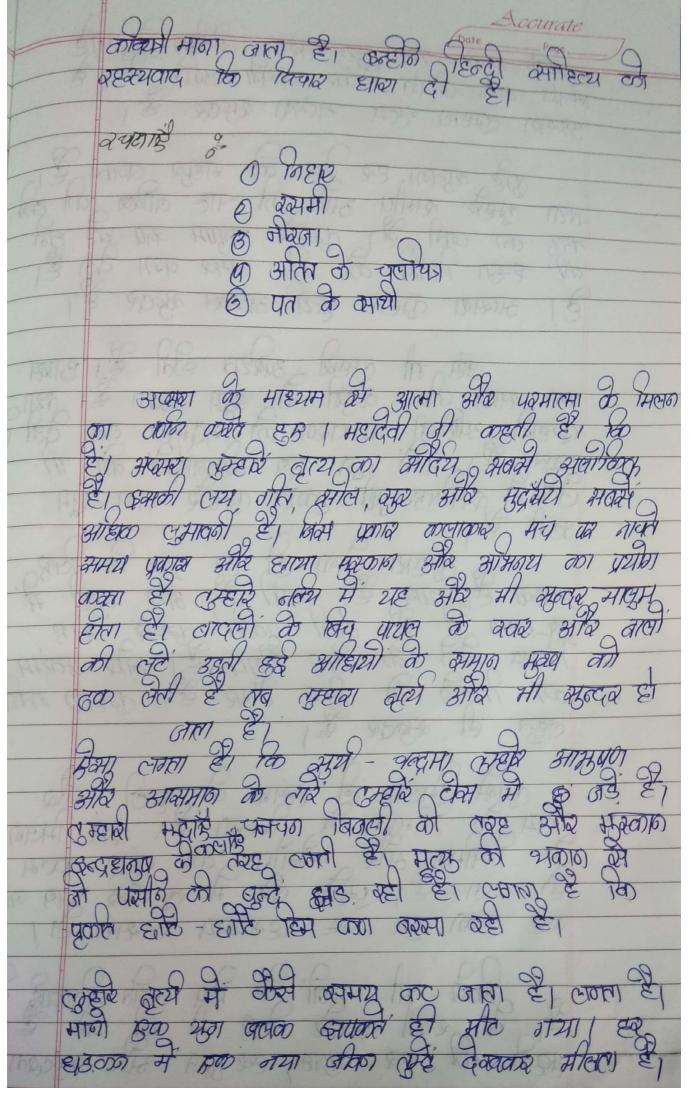


कावलावली = good Great कावतावड़ी के देखक कारी हुरे उ एससीवास त्रुटाबरिक्ष के अगुनाब जीवन का वाव क्या राम जैम 3. २वरी श्रीय दसरी एवं कीन भर्माक दे 3 914 प. समाव की नहीं में यम यावना कीन दिना है? उ जलपर 5. व्यवंगव्याम नदी की हाका किया है? 3 #211000 6. कार्व पमुद्राम के अग्राय किया प्रकार की तबह बहुता गांस है 3 हर्जमार्ग की लबह न एउसी के अनुमान दु:या नीत ह्वता उ वस्ताय हा कार्य मवड़ी के बाद भी निकाली गाँछ पार्टि पारिपया ु COUNTRY of 1632 81/9 क्याहित्य में मार्ग्स काटा क्वाका विवाह वजावली । ही विक वजावनी के 9 30

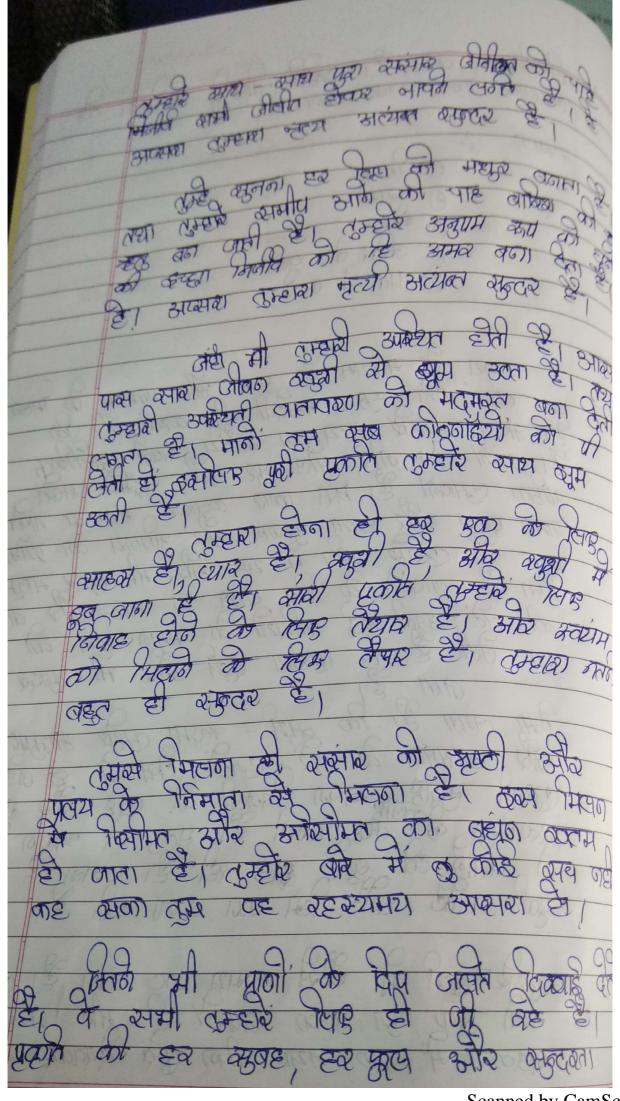


Scanned by CamScanner





Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner

